1:21 PM | 0.0KB/s

निष्ठा FLN 3.0:- Module 7– UP_प्राथमिक कक्षाओं में बहुभाषी शिक्षण (निष्ठा FLN) की प्रश्नोत्तरी का हल

नोट:- यहां नीचे 40 प्रश्नों के उत्तर दिए गए हैं जिनमें कोई से भी आपको 20 ही करने होंगे।

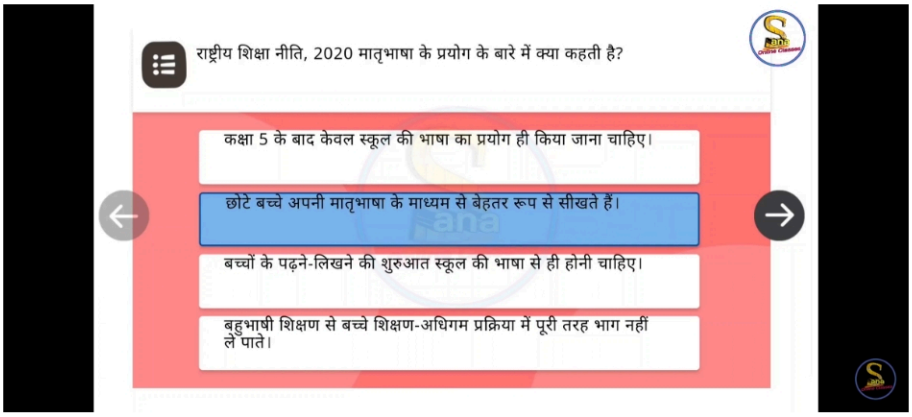

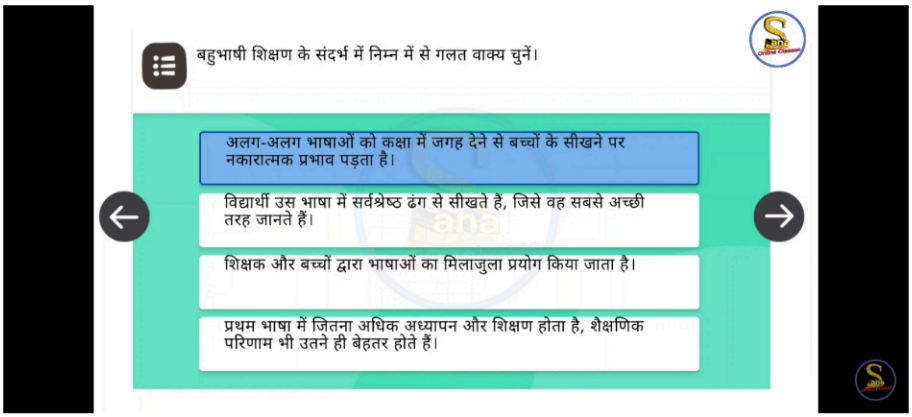

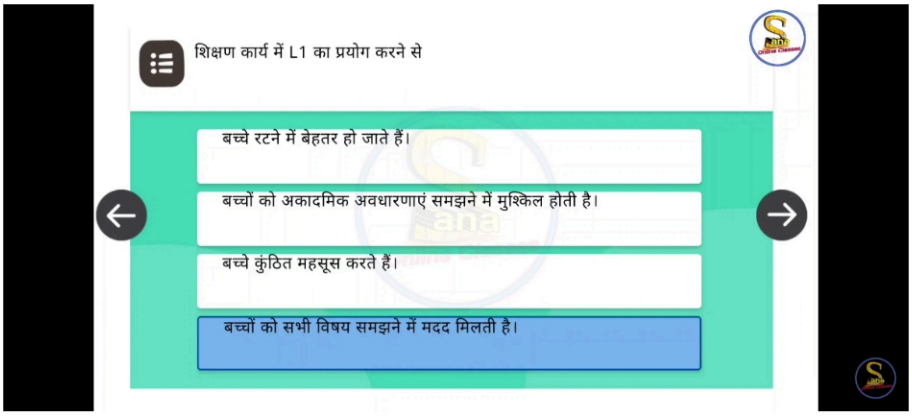

1:21 PM | 2.1KB/s

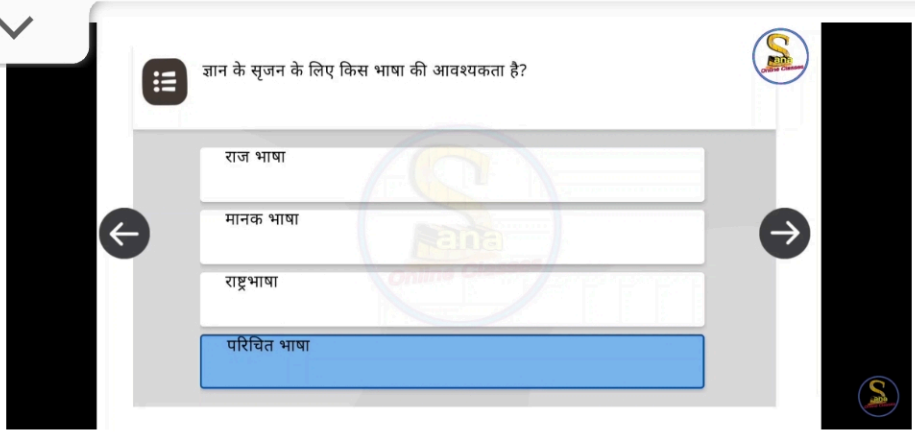
ज्ञान के सृजन के लिए किस भाषा की आवश्यकता है?
राज भाषा
मानक भाषा
राष्ट्रभाषा
परिचित भाषा

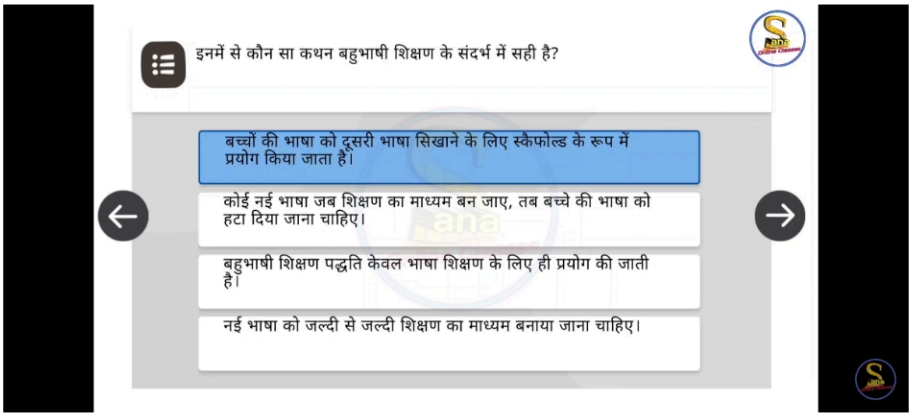
इनमें से कौन सा कथन बहुभाषी शिक्षण के संदर्भ में सही है?
बच्चों की भाषा को दूसरी भाषा सिखाने के लिए स्कैफोल्ड के रूप में प्रयोग किया जाता है।
कोई नई भाषा जब शिक्षण का माध्यम बन जाए, तब बच्चे की भाषा को हटा दिया जाना चाहिए।
बहुभाषी शिक्षण पद्धति केवल भाषा शिक्षण के लिए ही प्रयोग की जाती है।
नई भाषा को जल्दी से जल्दी शिक्षण का माध्यम बनाया जाना चाहिए।

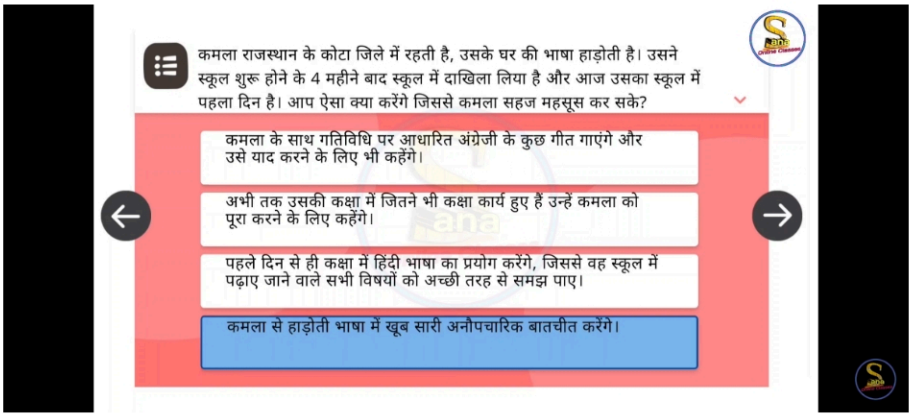
कमला राजस्थान के कोटा जिले में रहती है, उसके घर की भाषा हाड़ोती है। उसने स्कूल शुरू होने के 4 महीने बाद स्कूल में दाखिला लिया है और आज उसका स्कूल में पहला दिन है। आप ऐसा क्या करेंगे जिससे कमला सहज महसूस कर सके?
कमला के साथ गतिविधि पर आधारित अंग्रेजी के कुछ गीत गाएंगे और उसे याद करने के लिए भी कहेंगे।
अभी तक उसकी कक्षा में जितने भी कक्षा कार्य हुए हैं उन्हें कमला को पूरा करने के लिए कहेंगे।
पहले दिन से ही कक्षा में हिंदी भाषा का प्रयोग करेंगे, जिससे वह स्कूल में पढ़ाए जाने वाले सभी विषयों को अच्छी तरह से समझ पाए।
कमला से हाड़ोती भाषा में खूब सारी अनौपचारिक बातचीत करेंगे।

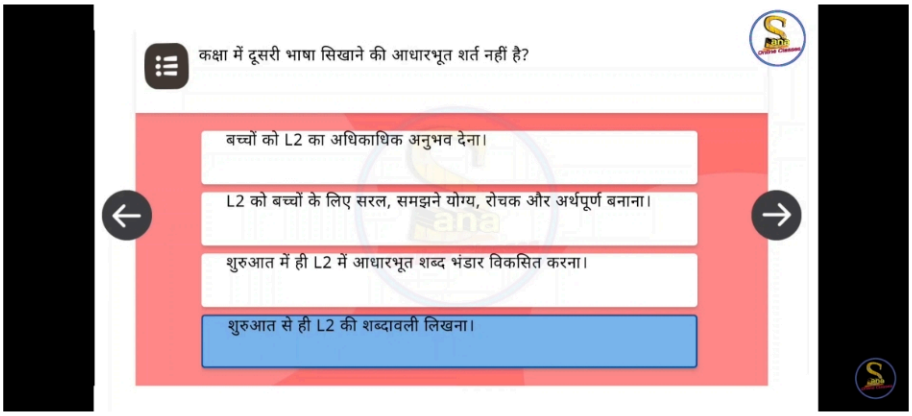
कक्षा में दूसरी भाषा सिखाने की आधारभूत शर्त नहीं है?
बच्चों को L2 का अधिकाधिक अनुभव देना।
L2 को बच्चों के लिए सरल, समझने योग्य, रोचक और अर्थपूर्ण बनाना।
शुरुआत में ही L2 में आधारभूत शब्द भंडार विकसित करना।
शुरुआत से ही L2 की शब्दावली लिखना।

1:21 PM | 0.2KB/s

प्राथमिक स्कूलों में लगभग 25% बच्चों को आरंभिक वर्षों में गंभीर चुनौतियों का सामना क्यों करना पड़ता है?

- पालक का बच्चों को स्कूल में न भेजना।
- घर की और स्कूल की भाषा में अंतर होना।
- बच्चों के घर से विद्यालय की दूरी का अधिक होना।
- स्कूल में बुनियादी सुविधाओं का न होना।

रोज़मर्रा के जीवन में हममें से अधिकतर लोग कैसी भाषा का प्रयोग करते हैं?

- मिली-जुली भाषा
- शुद्ध भाषा
- मानक भाषा
- राष्ट्र भाषा

इनमें से सही कथन है –

- एक भाषा का मज़बूत विकास दूसरी भाषा को सीखने में कठिनाई पैदा करता है।
- मातृभाषा में लंबे समय तक शिक्षण करने से हिंदी और अंग्रेजी भाषा सीखने के लिए समय नहीं बचता।
- भाषाएँ परस्पर एक दूसरे से मिले-जुले रूप में ही विकसित होती हैं।
- मातृभाषा में मज़बूत पकड़ बनने से बच्चों को दूसरी भाषा सीखने में कठिनाई आती है।

लिंक भाषा का प्रयोग किस परिस्थिति में किया जाता है?

- जब किसी एक समुदाय की भाषा को मानक बनाना हो।
- जब किसी एक समुदाय की भाषा को शिक्षण का माध्यम बनाना हो।
- जब विभिन्न भाषा संबंधी समुदाय के लोग एक साथ रहते हों।
- जब एक ही भाषा समुदाय के लोग एक साथ रहते हों।

1:22 PM | 5.5KB/s

बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (एफ एल एन) मिशन की सफलता के लिए आवश्यक है-

- सामान्य ज्ञान पर जोर देना
- कक्षा 1 से अंग्रेजी की शिक्षा
- बच्चों की परिचित भाषा का प्रयोग करना
- प्रति सप्ताह परीक्षा लेना

कोर्स में 'वारली पेंटर' की कहानी देने का उद्देश्य क्या है?

- आवश्यकतानुसार एक से अधिक भाषाओं के उपयोग के बारे में बताना।
- पेंटर की आर्ट गैलरी के बारे में बताना।
- वारली समुदाय के बारे में बताना।
- हिंदी भाषा का प्रयोग कुशलता से कर पाने के बारे में बताना।

भाषा शिक्षण से जुड़ी भ्रांति चुनिए।

- बच्चों की भाषा उन्हें अन्य भाषाएँ सीखने के लिए मज़बूत आधार देती है।
- जितनी छोटी उम्र में बच्चों को अपरिचित भाषा में पाठ्यपुस्तकें पढ़ने के लिए देंगे, बच्चे वह भाषा उतनी जल्दी सीखेंगे।
- घर की भाषा के प्रयोग से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है।
- बहुभाषी शिक्षण में अपरिचित भाषा सीखने-सिखाने के लिए बच्चों की मातृभाषा का प्रयोग भी किया जाता है।

ज्ञान के सृजन के लिए किस भाषा का पुल आवश्यक है?

- राष्ट्रभाषा
- अपरिचित भाषा
- मानक भाषा
- परिचित भाषा

1:22 PM | 5.7KB/s

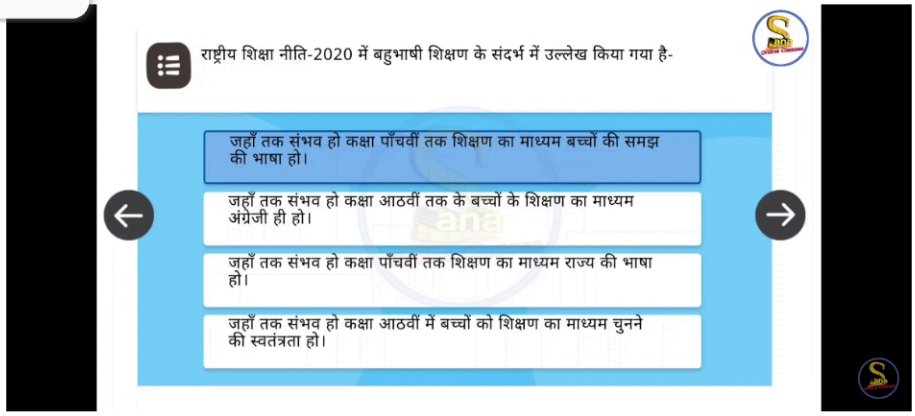
राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में बहुभाषी शिक्षण के संदर्भ में उल्लेख किया गया है-
जहाँ तक संभव हो कक्षा पाँचवीं तक शिक्षण का माध्यम बच्चों की समझ की भाषा हो।
जहाँ तक संभव हो कक्षा आठवीं तक के बच्चों के शिक्षण का माध्यम अंग्रेजी ही हो।
जहाँ तक संभव हो कक्षा पाँचवीं तक शिक्षण का माध्यम राज्य की भाषा हो।
जहाँ तक संभव हो कक्षा आठवीं में बच्चों को शिक्षण का माध्यम चुनने की स्वतंत्रता हो।

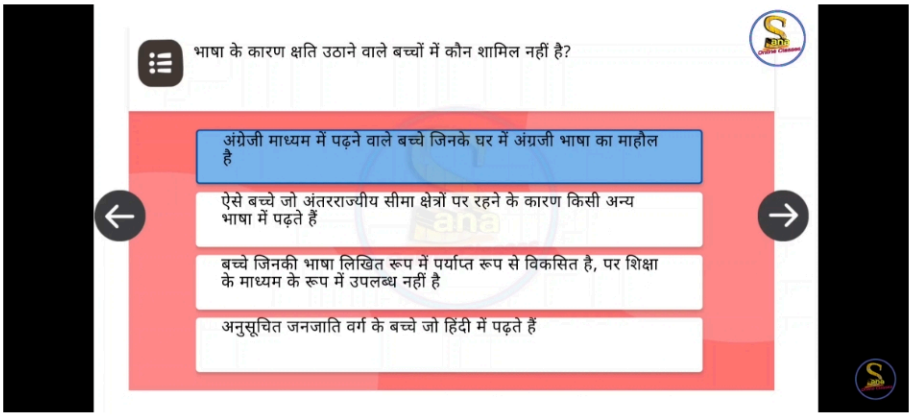
भाषा के कारण क्षति उठाने वाले बच्चों में कौन शामिल नहीं है?
अंग्रेजी माध्यम में पढ़ने वाले बच्चे जिनके घर में अंग्रजी भाषा का माहौल है
ऐसे बच्चे जो अंतरराज्यीय सीमा क्षेत्रों पर रहने के कारण किसी अन्य भाषा में पढ़ते हैं
बच्चे जिनकी भाषा लिखित रूप में पर्याप्त रूप से विकसित है, पर शिक्षा के माध्यम के रूप में उपलब्ध नहीं है
अनुसूचित जनजाति वर्ग के बच्चे जो हिंदी में पढ़ते हैं

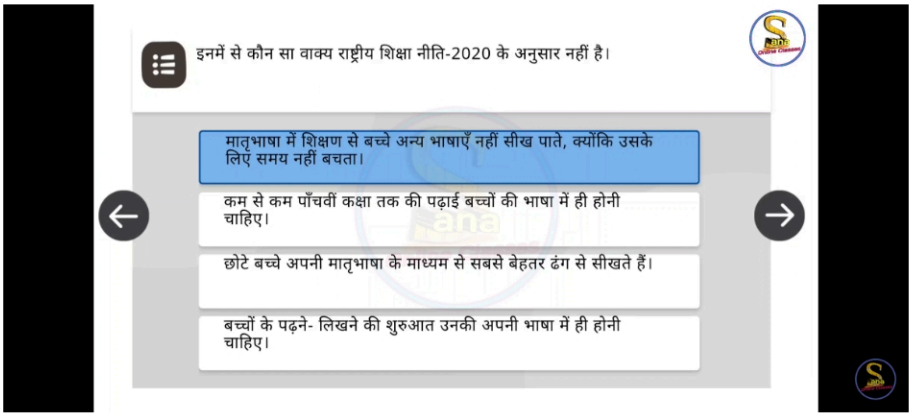
इनमें से कौन सा वाक्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार नहीं है।
मातृभाषा में शिक्षण से बच्चे अन्य भाषाएँ नहीं सीख पाते, क्योंकि उसके लिए समय नहीं बचता।
कम से कम पाँचवीं कक्षा तक की पढ़ाई बच्चों की भाषा में ही होनी चाहिए।
छोटे बच्चे अपनी मातृभाषा के माध्यम से सबसे बेहतर ढंग से सीखते हैं।
बच्चों के पढ़ने- लिखने की शुरुआत उनकी अपनी भाषा में ही होनी चाहिए।

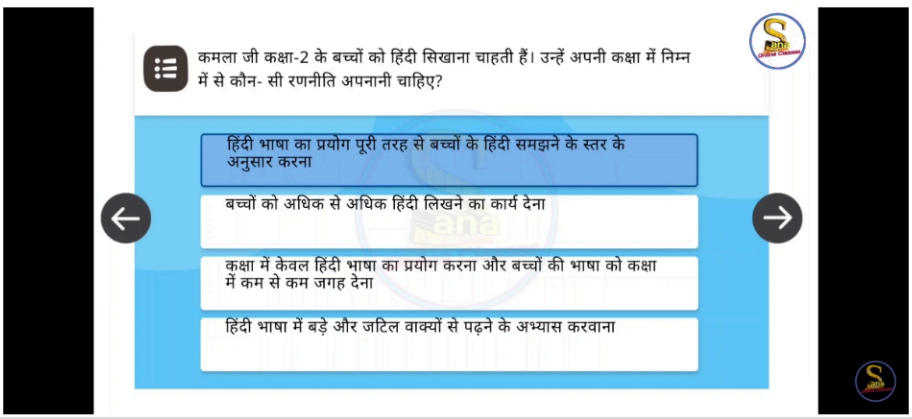
कमला जी कक्षा-2 के बच्चों को हिंदी सिखाना चाहती हैं। उन्हें अपनी कक्षा में निम्न में से कौन- सी रणनीति अपनानी चाहिए?
हिंदी भाषा का प्रयोग पूरी तरह से बच्चों के हिंदी समझने के स्तर के अनुसार करना
बच्चों को अधिक से अधिक हिंदी लिखने का कार्य देना
कक्षा में केवल हिंदी भाषा का प्रयोग करना और बच्चों की भाषा को कक्षा में कम से कम जगह देना
हिंदी भाषा में बड़े और जटिल वाक्यों से पढ़ने के अभ्यास करवाना

1:22 PM | 49.5KB/s

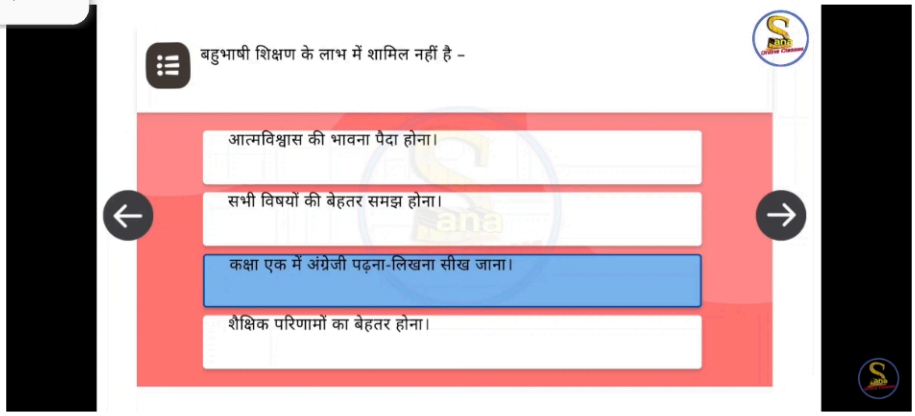

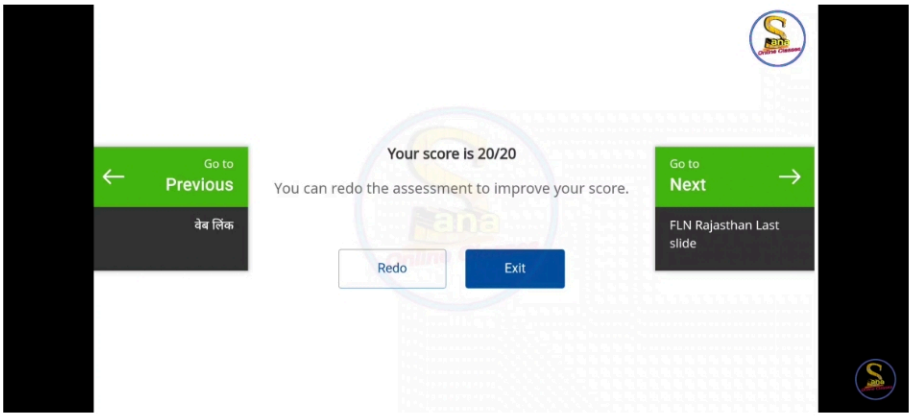

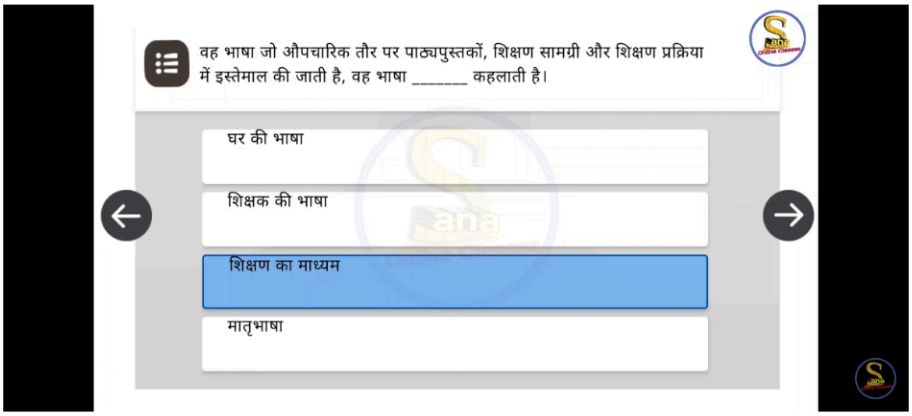

1:22 PM | 45.1KB/s

प्रथम भाषा (L1) से तात्पर्य है–

- स्कूल की मानक भाषा
- अकादमिक भाषा
- लिंक भाषा
- बच्चे की समझ की भाषा

इथियोपिया के भाषा संबंधी मॉडल के अध्ययन से निष्कर्ष निकलता है कि –

- मातृभाषा में अध्यापन से बच्चे गणित विषय में अच्छा प्रदर्शन कर पाए।
- आरंभिक कक्षा में अंग्रेजी भाषा में अध्यापन से बच्चे विज्ञान विषय में बेहतर प्रदर्शन कर पाए।
- आरंभिक कक्षा में ही अकादमिक भाषा में अध्यापन से बच्चे सभी विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पाए।
- मातृभाषा में अध्यापन से बच्चों ने सभी विषयों में बेहतर प्रदर्शन किया।

निम्न में से कौन-सा बच्चा सबसे अधिक मुश्किलों का सामना करेगा?

- कमला, जिसके घर की भाषा वागड़ी है और कक्षा में वागड़ी एवं हिंदी भाषा का मिलाजुला प्रयोग होता है।
- दीपक, जिसके घर की भाषा संथाली है और बाजार में हिंदी भाषा सुनने के कुछ अनुभव मिलते हैं और कक्षा में हिंदी भाषा में पढ़ाई होती है।
- शबाना, जिसके घर की भाषा अंग्रेजी है और कक्षा में भी अंग्रेजी भाषा में पढ़ाई होती है।
- रमेश, जिसके घर और समुदाय में सब भोजपुरी बोलते हैं और कक्षा में अंग्रेजी भाषा का प्रयोग होता है।

"प्रत्येक राज्य और राज्य के भीतर प्रत्येक स्थानीय प्राधिकारी भाषा संबंधी अल्पसंख्यक – वर्गों के बालकों को शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा।" यह कथन कौन से दस्तावेज़ में कहा गया है?

- आरटीई 2009
- एनसीएफ 2005
- भारत का संविधान

1:22 PM | 206KB/s

बहुभाषिकता का अर्थ है -

- किसी व्यक्ति का एक भाषा को जानना व प्रयोग करना
- किसी व्यक्ति को अपनी भाषा के साथ अंग्रेजी का ज्ञान होना
- किसी व्यक्ति का दो या दो से अधिक भाषाओं का प्रयोग करना
- कक्षा में हिंदी और अंग्रेजी भाषा में शिक्षण करना

"सीखने की प्रक्रिया में ज्ञात से अज्ञात या परिचित से अपरिचित की ओर ही बढ़ना चाहिए।" यह बात आई है –

- एनईपी -1986 में
- आरटीई -2009 में
- एनईपी-2000 में
- एनसीएफ-2005 में

भारत की जनगणना 2011 के अनुसार भारत में कुल कितनी मातृभाषाएँ बोली जाती हैं?

- 1269
- 1369
- 1569
- 1469

बहुभाषी शिक्षण पद्धति की विशेषता नहीं है –

- सभी भाषाओं को सम्मान मिलना।
- कक्षा में किसी एक भाषा का प्रभुत्व होना।
- भाषाओं का मिला-जुला प्रयोग करना।
- बच्चों की भाषा का कक्षा में भरपूर प्रयोग करना।

1:22 PM | 493KB/s

आरंभिक वर्षों में बच्चों की शिक्षा का माध्यम उनके घर की भाषा ही होनी चाहिए क्योंकि –

- भाषा पढ़ने और लिखने का आधार है।
- भाषा बोलने और सुनने का आधार है।
- भाषा अधिक अंक अर्जित करने का आधार है।
- **भाषा सोचने-समझने व सभी विषयों को सीखने का आधार है।**

असम में चाय के बगीचों में काम करने वाले आदिवासी समूहों के बीच की भाषा को कह सकते हैं –

- **लिंक भाषा**
- असमिया भाषा
- मानक भाषा
- राज्य भाषा

गलत कथन चुनें –

- बच्चे की प्रथम भाषा की मज़बूत नींव उसे अन्य भाषा सीखने में मदद करती है।
- आरंभिक कक्षा में बच्चों को स्कूल की अपरिचित भाषा सिखाने के लिए उनके घर की भाषा का सहारा लिया जाना चाहिए।
- **मातृभाषा में अध्यापन से बच्चों को अन्य सभी विषयों को सीखने में कठिनाई होती है।**
- बच्चे अपनी भाषा में सोच-विचार के कौशल सीख लेते हैं, तो उन्हें दूसरी भाषा में भी इस्तेमाल कर पाते हैं।

भारत में हुई 2011 की जनगणना से यह बात उभरकर सामने आई कि-

- **अधिकतर लोग एक से अधिक भाषाएँ बोलते हैं।**
- केवल 7% लोग दो भाषाएँ बोलते हैं।
- केवल 7% लोग आवश्यकता के अनुसार अंग्रेजी बोलते हैं।
- अधिकतर लोग केवल अपनी मातृभाषाएँ ही बोल पाते हैं।

1:22 PM | 0.1KB/s

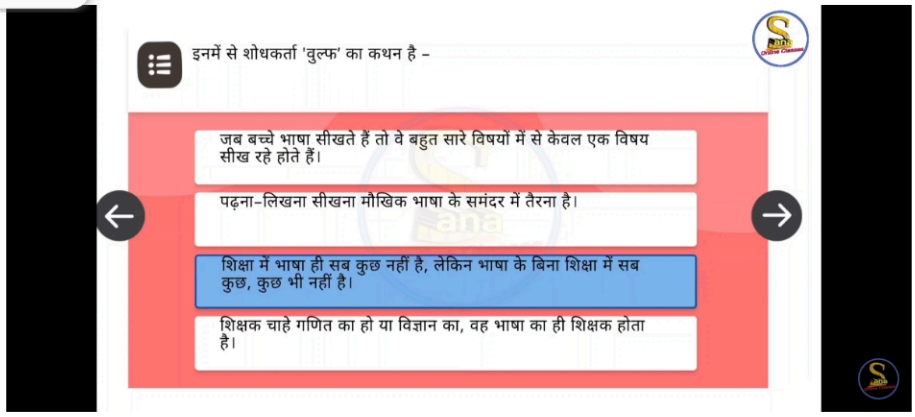
इनमें से शोधकर्ता 'वुल्फ' का कथन है –
जब बच्चे भाषा सीखते हैं तो वे बहुत सारे विषयों में से केवल एक विषय सीख रहे होते हैं।
पढ़ना-लिखना सीखना मौखिक भाषा के समंदर में तैरना है।
शिक्षा में भाषा ही सब कुछ नहीं है, लेकिन भाषा के बिना शिक्षा में सब कुछ, कुछ भी नहीं है।
शिक्षक चाहे गणित का हो या विज्ञान का, वह भाषा का ही शिक्षक होता है।

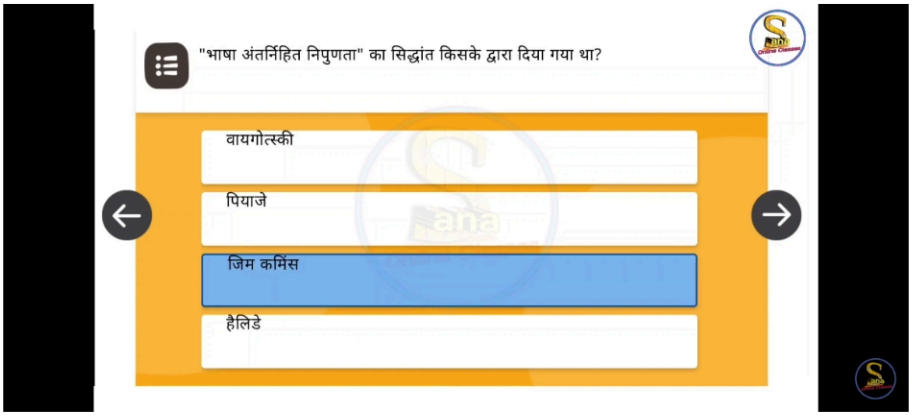
"भाषा अंतर्निहित निपुणता" का सिद्धांत किसके द्वारा दिया गया था?
वायगोत्स्की
पियाजे
जिम कमिंस
हैलिडे

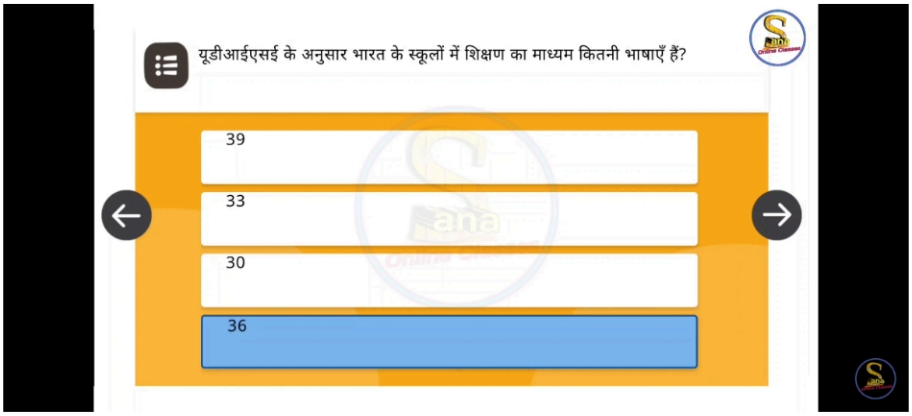
यूडीआईएसई के अनुसार भारत के स्कूलों में शिक्षण का माध्यम कितनी भाषाएँ हैं?
39
33
30
36

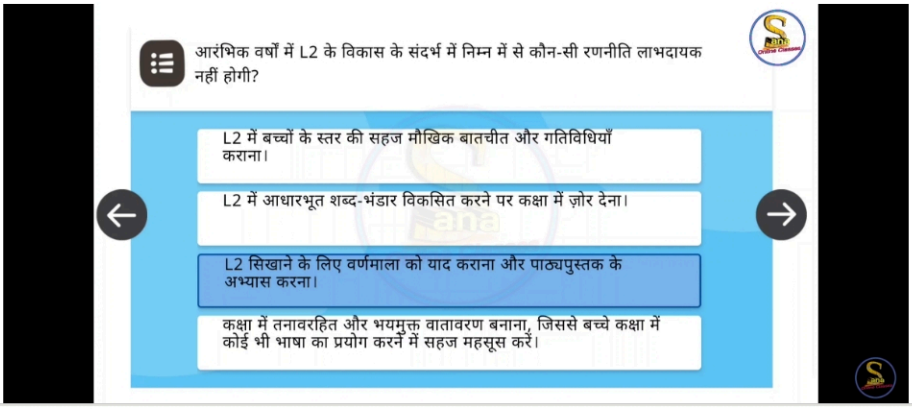
आरंभिक वर्षों में L2 के विकास के संदर्भ में निम्न में से कौन-सी रणनीति लाभदायक नहीं होगी?
L2 में बच्चों के स्तर की सहज मौखिक बातचीत और गतिविधियाँ कराना।
L2 में आधारभूत शब्द-भंडार विकसित करने पर कक्षा में ज़ोर देना।
L2 सिखाने के लिए वर्णमाला को याद कराना और पाठ्यपुस्तक के अभ्यास करना।
कक्षा में तनावरहित और भयमुक्त वातावरण बनाना, जिससे बच्चे कक्षा में कोई भी भाषा का प्रयोग करने में सहज महसूस करें।

1:23 PM | 103KB/s